क्षेत्रीय शिक्षुता दिवस: 2024

➢ **प्रस्तावना:**

बोर्ड ऑफ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (पूर्वी क्षेत्र), कोलकाता शिक्षा मंत्रालय (तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय), उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1968 में हुई थी। बोर्ड पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित पूर्वी क्षेत्र में समय-समय पर यथासंशोधित शिक्षुता अधिनियम, 1961 के उचित कार्यान्वयन की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करता आ रहा है। शिक्षुता अधिनियम और नियमों के अनुसार, बोर्ड को शिक्षु (संशोधन) अधिनियम, 2014 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत स्थापनाओं/उद्योगों में निर्धारित संख्या में शिक्षुओं को नियुक्त करने, शिक्षुओं की नियुक्ति का आंकलन करने, शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के कामकाज की निगरानी और समीक्षा (मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों) हेतु प्रतिष्ठानों/उद्योगों को अधिसूचित कर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में स्नातक और डिप्लोमा धारकों और सामान्य स्ट्रीम में स्नातक और तकनीशियन शिक्षुओं के रूप में उत्तीर्ण स्नातकों और डिप्लोमा धारकों के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण सुविधाओं को मुहैया कराने का अधिकार है। बोर्ड केंद्र सरकार के वजीफे के 50% हिस्से की प्रतिपूर्ति संबंधी कार्य का भी निर्वहन करता है, जो प्रशिक्षण स्थापनाओं द्वारा प्रशिक्षुता अनुबंध के पंजीकरण के बाद प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से सीधे प्रशिक्षुओं को भेजा जाता है।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नए उत्तीर्ण स्नातक और डिप्लोमा धारकों और सामान्य स्ट्रीम में स्नातक यथा बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम आदि के छात्रों को प्रशिक्षण के दौरान रोजगार (ओजेटी) प्रदान करने के लिए एक संगठित और प्रभावी तरीके से, बीओपीटी (ईआर) राष्ट्रीय वेब पोर्टल (www.nats.education.gov.in) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) को लागू करता है, जिससे शिक्षुओं, स्थापनाओं/उद्योगों और संस्थानों जैसे सभी हितधारकों को सुविधा मिलती है।

50 वर्षों में, बीओपीटी (ईआर) ने पूर्वी क्षेत्र में 3 हजार से अधिक उद्योगों/स्थापनाओं के सहयोग से 15 लाख से अधिक छात्रों को शिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान करके जबरदस्त सफलता हासिल किया है।

इस पृष्ठभूमि में. बीओपीटी (ईआर), कोलकाता के सक्षम प्राधिकारी ने हमारे शीर्ष 3 सम्मानित हितधारकों अर्थात पूर्वी क्षेत्र के 13 राज्यों के शिक्षुओं, स्थापनाओं/उद्योगों और संस्थानों को क्षेत्रीय शिक्षुता दिवस, 2024 पर निम्नलिखित श्रेणियों में सम्मानित करने का निर्णय लिया है, जो 07/09/2024 (शनिवार) को मनाया जाएगा।

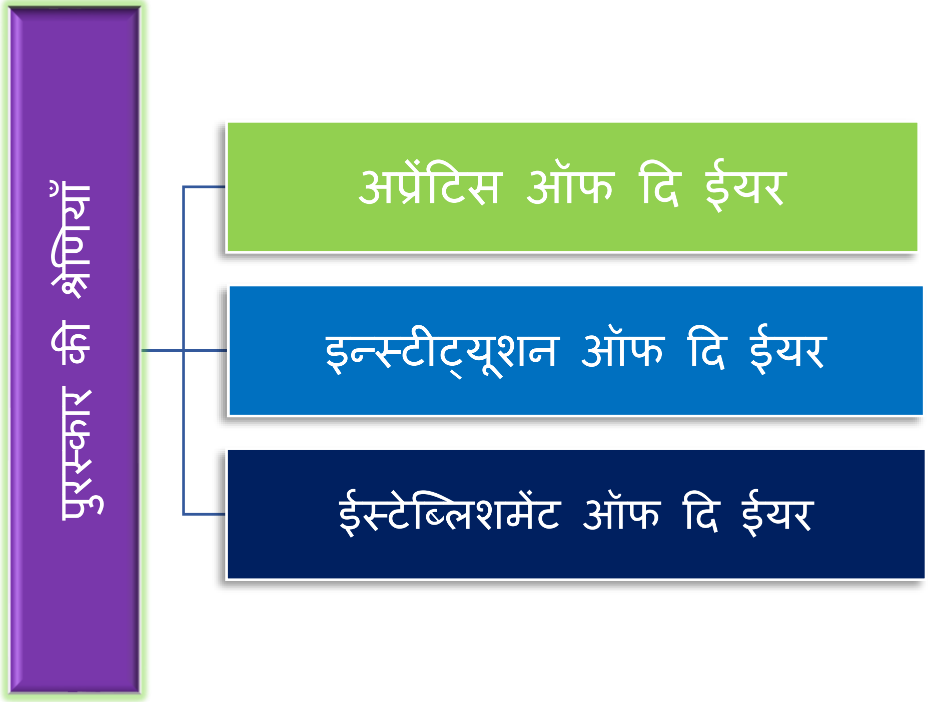

➢ **<u>उद्देश्य:</u>**

1. अधिक से अधिक हितधारकों अर्थात उद्योगों, छात्रों और संस्थानों के बीच राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एन.ए.टी.एस.) (www.nats.education.gov.in) के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

2. शिक्षुता को छात्रों के लिए उज्जवल भविष्य के अवसर की सीढ़ी के रूप में पहचानना और यह निश्चित करना कि वे रोजगार के लिए तैयार हैं।

3. वर्ष के दौरान एन.ए.टी.एस./क्षेत्रीय पोर्टल में स्थापनाओं, संस्थानों और छात्रों के योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना।

4. प्रभावी स्थापना संस्थान इंटरैक्शन प्लेटफॉर्म विकसित करके उद्योगों और शिक्षा जगत के बीच अंतर को कम करना।

निम्नलिखित में से प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हितधारक को उनके उपलब्धि हेतु एक प्रमाणपत्र और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा:

1. अप्रेंटिस ऑफ दि ईयर
2. इन्स्टीट्यूशन ऑफ दि ईयर
3. ईस्टेब्लिशमेंट ऑफ दि ईयर

➢ **पुरस्कार विजेता के चयन की समग्र प्रक्रिया:**

**** शॉर्टलिस्टिंग के बाद, आपको निर्धारित तिथि और समय पर बीओपीटी (ईआर), कोलकाता परिसर में अपनी उपलब्धि प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।**

➢ **नामांकन के लिए पात्रता:**

क. प्रशिक्षुओं के लिए -

एक शिक्षु जिसने पिछले वित्तीय वर्ष में कार्यस्थल पर न्यूनतम 60% उपस्थिति के साथ NATS पोर्टल (www.nats.education.gov.in) के माध्यम से जारी प्रवीणता प्रमाणपत्र (सीओपी) प्राप्त करके अपना शिक्षुता प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, सिर्फ आवेदन कर सकता है।

ख. स्थापनाओं के लिए -

एक स्थापना/संगठन जिसने NATS पोर्टल (www.nats.education.gov.in) में पंजीकरण कराया है और पिछले 3 वित्तीय वर्षों में कुल जनशक्ति (संविदा, आकस्मिक और आउटसोर्स कर्मचारियों सहित) के न्यूनतम 2.5% शिक्षुओं को नियुक्त किया है, वह अपना नामांकन दाखिल करने के लिए पात्र है।

ग. संस्थानों के लिए -

एक संस्थान जिसने NATS पोर्टल (www.nats.education.gov.in) में अपना प्रोफ़ाइल अपडेट किया है और पिछले वित्तीय वर्ष में उस संस्थान के कम से कम 05 उत्तीर्ण छात्रों को किसी भी NATS पंजीकृत स्थापना में शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नियुक्त किया गया है, वे ही आवेदन कर सकते हैं।

➢ ऑनलाईन नामांकन कैसे जमा करें:

www.bopter.gov.in पर जाएं → हेडर मेनू बार में "आरएडी" पर क्लिक करें → "आरएडी 2024" → "क्षेत्रीय शिक्षुता दिवस 2023 का नामांकन" पर क्लिक करें → अपनी श्रेणी के अनुसार ऑनलाइन नामांकन फॉर्म भरें और जमा करें

➢ विचार हेतु समयावधि:

पुरस्कार विजेताओं के चयन हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 (01/04/2023 से 31/03/2024) के दौरान प्रदर्शन को ध्यान में रखा जाएगा।

➢ ऑनलाइन नामांकन जमा करने की तिथि:

क्षेत्रीय शिक्षुता दिवस 2023 के लिए ऑनलाइन नामांकन 10/07/2024 से प्रारम्भ होगा और 15/08/2024 को बंद होगा।

➢ नामांकन की शॉर्टलिस्टिंग और पुरस्कार विजेता का चयन:

उप निदेशक, बीओपीटी (ईआर) की अध्यक्षता वाली एक चयन समिति निम्नलिखित जूरी सदस्यों के समक्ष नामांकित व्यक्तियों की प्रस्तुति के बाद नामांकित सूची से पुरस्कार विजेता के नामों की सिफारिश करेगी:

चयन समिति के सदस्य	पद
उप निदेशक, बीओपीटी (ईआर)	समिति के अध्यक्ष
1 सी.आई.आई का प्रतिनिधि	सदस्य
1 स्थापना का प्रतिनिधि	सदस्य
1 संस्थानों का प्रतिनिधि	सदस्य

सभी श्रेणियों के विजेताओं के चयन के संबंध में उपरोक्त जूरी सदस्यों द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा।

समारोह में न केवल विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, बल्कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों के चैंपियन नियोक्ताओं, शिक्षुओं और शिक्षुता में शामिल अन्य लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा।

डॉ. एस.एम.एजाज़ अहमद, निदेशक और क्षेत्रीय शिक्षुता सलाहकार, बीओपीटी (ईआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने घोषणा किया है कि:

"हमें क्षेत्रीय शिक्षुता पुरस्कार 2024 के लिए प्रविष्टियाँ शुरू करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। हमारे हितधारकों-स्थापनाओं, संस्थानों और छात्रों के असाधारण प्रयासों को सम्मानित करना महत्वपूर्ण है। विजेताओं और अत्यधिक प्रशंसित प्रतिभागियों को क्षेत्रीय शिक्षुता दिवस 2024 (आरएडी) समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को यूट्यूब, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा, जिससे व्यापक दर्शकों को शिक्षुता में सफलता, समर्पण और निवेश तथा इनके महत्वपूर्ण प्रभाव को समझने का मौका मिल सके।"